


| संज्ञक संख्या | पुस्तक या चर्चावाही मध्य इन्डियनियन्स जज |
|------------------|---|
| 9-1-18 | <p> पत्रवाणी पत्र हूँ/ नकील पत्रकारों उपा। पत्रवाणी का इलाजोकर किया गया। बंधन पर फलन किया गया। जिसने बार बारी सिद्ध होने पर रिडी किया जाय है। विस्तृत उल्लेख जलाय से लिखाया जाकर प्रामाणिक विस्तार किया जाय। पत्रवाणी में लाभ शुभकर होकर दर्ज नगर-से कर दो (वेब काउ तकसील दायित्व रकम है।) </p> <p style="text-align: right;">  वपखण्ड अधिकारी इन्दूर (राजस्थान) </p> |